मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MJY–004

स्नातकोत्तर कला उपाधि

(ज्योतिष)

(एम. ए. जे. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.जे.वाई.-004 : कुण्डली निर्माण

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के विस्तारपूर्वक उत्तर दीजिए : $3 \times 20 = 60$

(क) सोदाहरणपूर्वक ग्रहस्पष्टीकरण विधि लिखिए।

(ख) चन्द्रग्रह स्पष्टीकरण विधि उदाहरण सहित प्रस्तुत कीजिए।

(ग) स्वकल्पित उदाहरण द्वारा लग्न साधन लिखिए।

(घ) विंशोतरी महादशा साधन विधि स्पष्टता से लिखिए।

(ङ) षड्वर्ग कौन-कौन हैं ? क्रमशः लिखते हुए त्रिशांश को विस्तार से लिखिए।

(च) पञ्चधा ग्रहमैत्री चक्र उदाहरण सहित लिखिए।

खण्ड—ख

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

$4 \times 10 = 40$

(क) भयात-भभोग साधन विधि लिखिए।

(ख) दशमलग्न साधन विधि स्पष्ट कीजिए।

(ग) नवांश साधन को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

(घ) विंशोपक बल साधन का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

(ङ) योगिनी महादशा साधन विधि लिखिए।

(च) अष्टकवर्ग का सामान्य परिचय प्रस्तुत कीजिए।

(छ) लंकोदय मान और स्वोदय मान को पलभा सहित विस्तार से स्पष्ट कीजिए।

(ज) चालन विधि को सोदाहरण लिखिए।

× × × × ×